।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

जा.क्र.उमवि/अ.मं./हिंदी/९३/६/अे-२/८११५४८ दिनांक : २८.१०.१९९३

प्रति,

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाशी संलग्न असलेल्या
सर्व महाविद्यालयांचे मा.प्राचार्य यांना.-

विषय :- हिंदी विषयाच्या विविध वर्गांच्या पुस्तकांसाठी नमूनाप्रश्न.

महोदय,

उपरोक्त विषयाच्या संदर्भात विद्यापीठ अधिकार मंडळाने घेतलेल्या निर्णयानुसार व मला प्राप्त झालेल्या आदेशावरुन सर्व संबंधितांच्या माहितीसाठी कळविण्यांत येते की, खालील अभ्यासक्रमासाठी त्यांच्या नावासमोर दर्शविलेल्या पुस्तकांना संदर्भग्रंथ म्हणून मान्यता देण्यांत आली आहे.

१. एस.वाय.बी.ए.[हिंदी] - प्रयोजन मूलक साठी संदर्भग्रंथ म्हणून
"प्रयोजन मूलक हिंदी" भाग-२ - डॉ.उर्मिला पाटील
प्रकाशक - अतुल प्रकाशन, कानपूर.

२. एम.ए.हिंदी - प्रथम प्रश्नपत्र आधुनिक गद्यासाठी संदर्भग्रंथ म्हणून
१] राग दरबारी - व्यंग्य संदर्भ की परख
- बालेन्दुशेखर तिवारी.
२] व्यंग्य उपन्यास और राग दरबारी
- नंदलाल कल्ला.

हिंदी या विषयासाठी प्रथम वर्ष वाणिज्य अर्थवत्ता, प्रथमवर्ष कला - अक्षरयात्रा, द्वितीय वर्ष कला [सामान्य हिंदी], द्वितीय वर्ष कला [प्रयोजन मूलक हिंदी], द्वितीय वर्ष विशेष हिंदी - एस-१, एस-२, तृतीय वर्ष कला- सामान्य हिंदी, तृतीय वर्ष कला हिंदी विशेष - एस-३, एस-४, तृतीय वर्ष कला - प्रयोजन मूलक हिंदी तसेच एम.ए.[हिंदी] प्रथम व द्वितीय वर्ष या वर्गांच्या पुस्तकांसाठी हिंदी अभ्यास मंडळाने मान्य केलेले प्रश्नपत्रिकेचे स्वरुप व अंकांचे विभाजन सोबत पाठविले आहे.

करितां मा.प्राचार्य यांना विनंती की, त्यांनी= या परिपत्रकाचा आशय व सोबत जोडलेले प्रश्नपत्रिकेचे स्वरुप तसेच अंकांचे विभाजन सर्व संबंधित प्राध्यापकांच्या नजरेस आणावे ही विनंती. कळावे,

आपला विश्वासू,

सहा.कुलसचिव.

प्रत माहितीसाठी सादर रवाना :-

१. मा.अधिष्ठाता, कला विद्याशाखा, उ.म.वि., जळगांव.
२. मा.सदस्य, हिंदी अभ्यास मंडळ, उ.म.वि., जळगांव.
३. मा.कुलसचिव, उ.म.वि., जळगांव.
४. मा.उपकुलसचिव, परीक्षा विभाग, उ.म.वि., जळगांव.
५. मा.सहा.कुलसचिव, परीक्षा विभाग, उ.म.वि., जळगांव.

दुवासा./-

" अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत "

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

प्रथम वर्ष [वाणिज्य] – हिन्दी

पाठ्य पुस्तक : अर्थवत्ता.

[अंकविभाजन]

प्रश्न १	:	चार-पाँच वाक्यों मे उत्तर. [पाँच में से चार]	[२०]
प्रश्न २ [अ]:		एक वाक्य में उत्तर. [पाँच]	[०५]
[आ]:		संक्षिप्त टिप्पणियाँ [पाँच में से तीन]	[२०]
[इ] :		दीर्घोत्तरी प्रश्न [१८-२० पंक्तियाँ] [दो में से एक]	[१०]
प्रश्न ३	:	[अ] वाक्य शुध्द करना. [१० वाक्य]	[१०]
प्रश्न ४ [अ]:		पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद [दस शब्द]	[१०]
[आ]:		संक्षेपण [एक तिहाई सारांश]	[१०]
प्रश्न ५ [अ]:		निबन्ध. [चार में से एक]	[१०]
[आ]:		मसौदा, टिप्पण, आवेदन आदि.	[०५]

.******.

बोरसे/*

" अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत "
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

अंक विभाजन.
प्रथम वर्ष बी. ए. [हिन्दी]

पाठ्य पुस्तक : अक्षर यात्रा अंक १००

[१] गद्य पाठों पर पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर [१५]
[२] पद्य पाठों पर पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर [१५]
[३] ससंदर्भ व्याख्या :-
गद्य पाठ - दो में से एक [०५]
पद्य पाठ - दो में से एक [०५]
एक वाक्य में उत्तर [०५]
[गद्य पाठों पर तीन
पद्य पाठों पर दो]
[४] व्याकरण :
[अ] वाक्य शुध्द करना [८ वाक्य] [०८]
[आ] पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद [०८]
[दस में से आठ]
[५] [अ] वार्ता लेखन [०८]
[आ] अनुवाद [मराठी/अंग्रेजी से हिन्दी में] [०८]
[इ] सार लेखन [०८]
[६] निबंन्ध [पाँच विषयों में से एक पर] [१५]

प्रथम वर्ष बी. ए. [प्रयोजन मूलक हिन्दी] अंक १००

[१] [क] लिपि पर आधारित वाक्य शुध्द करना [१०]
[ख] लिंग-वचन-कारक पर आधारित वाक्य शुध्द करना [१५]
[२] [क] पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद. [१०]
[ख] वाक्यांशो का अनुवाद [०५]
[३] पत्र लेखन [१०]
[४] संक्षेपण [१०]
[५] विस्तरण [१०]
[६] गद्यावतरण का अनुवाद [मराठी/अंग्रेजी से] [१५]
[७] निबन्ध [१५]

...२

द्वितीय वर्ष बी. ए. [सामान्य हिन्दी] अंक १००

[१]	कहानी पर आधारित एक दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा पाँच लघूत्तरी प्रश्नों में से तीन.	[१५]
[२]	खंडकाव्य पर आधारित एक दीर्घोत्तरी अथवा पाँच लघूत्तरी प्रश्नोंमें से तीन.	[१५]
[३]	संदर्भ सहित व्याख्या :	
	[क] कहानी [तीन में से दो]	[१०]
	[ख] काव्य [तीन में से दो]	[१०]
	[ग] कहानियों पर टिप्पणियाँ [दो में से एक]	[०५]
	[घ] खंडकाव्यों पर टिप्पणियाँ [दो में से एक]	[०५]
[४]	[अ] शब्द युग्म [आठ में से पाँच]	[१०]
	[आ] वाक्य शुध्द करना [दस वाक्य]	[१०]
[५]	पत्र - [क] आवेदन पत्र.	[१०]
	[ख] संपादक को पत्र.	[१०]

द्वितीय वर्ष बी. ए. [प्रयोजन मूलक हिन्दी] अंक १००

[१]	यान्त्रिक प्रणाली पर दो लघूत्तरी प्रश्न अथवा ७ में से ५ एक वाक्यीय प्रश्न.	[१०]
[२]	वाक्य शुध्द करना -	
	[क] वर्तनी पर आधारित	[०५]
	[ख] व्याकरण पर आधारित	[१०]
	[ग] शब्दयुग्म [पाँच]	[०५]
	[घ] व्याकरणिक प्रयोग [पाँच]	[०५]
[३]	क] रूपान्तरण [पाँच वाक्य]	[०५]
	[ख] पारिभाषिक शब्द [पाँच]	[०५]
[४]	पत्रलेखन	[१०]
[५]	वार्तालिखन	[१०]
[६]	टिप्पण	[१०]
[७]	साक्षात्कार [काल्पनिक]	[१०]
[८]	वाक्यों का अनुवाद [पाँच]	[०५]
[९]	रिपोर्ट लिखना	[१०]

...3

द्वितीय वर्ष बी. ए. [विशेष हिन्दी - एस-१]

काव्यशास्त्र

अंक १००

प्रश्न १, २, ३ : अलंकारों और छन्दों को छोड़कर अन्य विषयों पर तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न, अन्तर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे
२० + २० + २० [६०]

प्रश्न ४ : [अ] अलंकारों पर एक लघूत्तरी प्रश्न [०५]

[आ] "छन्दो" पर एक लघूत्तरी प्रश्न. [०५]

[इ] अलंकारों के लक्षण उदाहरण [दो में से एक] [०५]

[ई] छन्दों के लक्षण - उदाहरण [दो में से एक] [०५]

प्रश्न ५ : टिप्पणियाँ [छह विषयों में से चार पर] [२०]

द्वितीय वर्ष बी. ए. हिन्दी विशेष [एस-२]

अंक १००

प्रश्न १: "स्कोगी नहीं राधिका" पर दीर्घोत्तरी प्रश्न [१६]
अथवा दो टिप्पणियाँ.

प्रश्न २ : प्रजा ही रहने दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न [१६]
अथवा दो टिप्पणियाँ.

प्रश्न ३ : मध्यकालीन काव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न [१६]
अथवा दो टिप्पणियाँ.

प्रश्न ४ : सन्दर्भ सहित व्याख्या [तीन में से दो] [१६]

प्रश्न ५ : टिप्पणियाँ [तीन में से दो] [१६]
विशेष २० अंक प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए निर्धारित

तृतीय वर्ष बी. ए. हिन्दी सामान्य

अंक १००

प्रश्न १ : एकांकी पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा [२०]
लघूत्तरी प्रश्न [छह में से चार].

प्रश्न २ : निबन्धों पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा [२०]
लघूत्तरी प्रश्न [छह में से चार]

प्रश्न ३ : सन्दर्भ सहित व्याख्या :-
एकांकी [दो में से एक] [२०]
निबन्ध [दो में से एक]

प्रश्न ४ : [क] वाक्य शुद्ध करना [कारण बताते हुए] [१०]
[आठ में से पाँच]
[ख] पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद [दस शब्द] [१०]

....४

प्रश्न ५ : [अ] पत्र लेखन. [१०]

[आ] अनुवाद [१०]

तृतीय वर्ष बी. ए. [हिंदी विशेष] एस-३

हिन्दी साहित्य का इतिहास अंक १००

---

* आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिक काल पर चार प्रश्न [अन्तर्गत विकल्प के साथ] [८०]

* आधुनिक काल पर तीन में से दो टिप्पणियाँ [२०]

---o---

तृतीय वर्ष बी. ए. [हिन्दी विशेष] एस-४

अंक १००

भाषा विज्ञान राष्ट्रभाषा आन्दोलन का इतिहास तथा निबन्ध.

प्रश्न १ : भाषा विज्ञान पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न [२०]

अथवा

चार में से दो टिप्पणियाँ.

प्रश्न २ : भाषा विज्ञान पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न [२०]

अथवा

चार में से दो टिप्पणियाँ.

प्रश्न ३ :[अ] राष्ट्र भाषा आन्दोलन पर लघूत्तरी प्रश्न [१५]

[पाँच में से तीन]

[आ] एक वाक्यीय प्रश्न [पाँच] [०५]

प्रश्न ४ : भाषा विज्ञान पर दीर्घोत्तरी प्रश्न [२०]

अथवा

चार में से दो टिप्पणियाँ.

[दो टिप्पणियाँ राष्ट्रभाषा आन्दोलन पर तथा दो भाषा विज्ञान पर]

प्रश्न ५ : निबन्ध [पाँच में से एक] [२०]

विशेष उल्लेखनीय :- [*] आगामी वर्ष से इस पेपर के सभी दीर्घोत्तरी प्रश्न ३० के स्थान पर १६ अंकों के तथा टिप्पणियाँ १० के स्थान पर ८ अंको की होगी।

* लघूत्तरी प्रश्न पाँच के स्थान पर चार अंको के होंगे। तृतीय प्रश्न में एक वाक्यीय चार होंगे

* निबन्ध १६ अंको का होगा।

इस व्यवस्था के अनुसार लिखित परीक्षा ८० अंको की और प्रायोगिक परीक्षा २० अंको की होगी।

....५

तृतीय वर्ष बी. ए. प्रयोजन मूलक हिन्दी

अंक १००

प्रश्न १ : कार्यालयीन व्यवहार पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न

अथवा

दो टिप्पणियाँ. [२०]

प्रश्न २ : [क] पारिभाषिक शब्द [८ में से ५] [०५]

[ख] वाक्यांशों का प्रयोग [५] [१०]

[ग] वाक्य शुद्ध करना [५] [०५]

प्रश्न ३ : कार्यालयीन अनुवाद [दो में से एक] [१०]

प्रश्न ४ : आकाशवाणी/दूरदर्शन के लिए लेखन [२०]

प्रश्न ५ : कार्य पद्धति पर लघूत्तरी प्रश्न [पाँच] [२०]

प्रश्न ६ : पत्रकारिता, प्रूफ, पोस्टर पर लेखन [१०]

———o———

घोरसे/*